

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

समस्तु त्रयत्रयं नाहं ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नामनामकनि ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यद्वक्ष्ये न कर्मदा ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
दत्तकृत्तयदत्तसूत ॥ १ ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नाममिश्रीश्रीमद्वामेश्वरीसुवामेश्वरी

धृज नमन ज्ञानमय नान्य निरु निरु
 ॥ धृ ॥ यो मो न दू न यिया ॥ १ ॥ भू न्य क न
 म न द न व दू न यिया ॥ २ ॥ व क वा ना दि
 मं व न दू न यिया ॥ ३ ॥ धृ सु मि न वि न भ न ज रि
 ग दि २ अ ल स म ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥

खा द म दि न न म न वि न न म न व २ धृ व न
 यु म न व क वा य र न ॥ १ ॥ धृ व न र न व क
 न २ नि नि र व न न व न ॥ २ ॥ धृ व न यु
 नि न न न का का न २ अ दि नि गी स न मु न
 न २ अ दि नि गी स न मु न २ अ दि नि गी स न मु न

॥ कृष्णाय नमः ॥

यवंधनमीवयः हयमात्रमगनसंहावः॥ बु
नागरहन्वि॥ नात्र इज्जमानः॥ कनः॥ अत्र न विधि
यंवायदात्राः यूङ्ग्यामिरः दत्र नः॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
उपहात्र नूयमीवयः॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
गत्रा॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥

वृंशुलवक अद्ययः ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
मिमदांकात्रः ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
कनः॥ अत्र न विधिः॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥
उपहात्रि ना ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥
ववृद्धि मि ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥

इना. कं. क. म. व. द. न. व. ज. द. ल्ता. ॥ क. दि. श. वा. ना. दि. घ. न. धा.
 नू. या. . अं. क. म. द. ल्ता. म. दि. र्वा. म. नी. ॥ ॐ. म. न. व. दि. दे. वी.
 म. व. द. ना. . सिं. द. वा. द. न. ग. व. म. . ॥ अ. म. ना. मा. नी.
 म. य. न. वा. द. ना. . न. म. . ॥ म. दि. द. ल्ता. ॥ न. म.
 ह. व. प्र. वी. म. न. . ॥ म. व. द. . व. व. द. ल्ता. ॥

२०५॥३॥

वायव्यामधुर्वैकाः ३ ॥ सोऽहं नृपदेवात्रमान्ध
वनाः अष्टकुसुमाः ३ ॥ दिनाः ३ ॥ यथात्रमदिते
दवीः ३ ॥ यथात्रमिदवीः ३ ॥ यथात्रमिदवीः ३ ॥ यथात्रमिदवीः ३ ॥
मुनिजसकात्रदवीः ॥ ५ ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥
नाः ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥

नमिः ३ ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥
थपत्रमुधनाः ३ ॥ उजमसुअरुसुयथानिनाः ॥ ५ ॥
ईमृनिमरुनिमादनिः ३ ॥ यथात्रमिदवीः ३ ॥ यथात्रमिदवीः ३ ॥
कमुहकत्यानमिनाः ॥ ५ ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥
वनः ३ ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥ नाममनावमिः ॥

२॥ साक्षात्कारना॥

नामदन्धाना॥ अनन्तमूर्तिना॥ अद्वैतसामान्यनि
निर्गन्दिमकसंकाशा॥ अद्वैतविनयनासा
शिवदन्तर्यं कना॥ ध्रु॥ अमर्त्यनामदं काना॥
मूर्तिः अक्षिप्तिद्विवन्तया शकनतिस्वर्पन्तमेव
गृह्णमानदप्यसंखानिना॥ निपूतिहृदयायनिम

निधः॥ व्याघ्रवर्ममन्त्रमात्राग्निप्रकाशा॥ अन्तर्यनः
साक्षनपात्रिममहावीना॥ ध्रु॥ अक्षकनात्तनासः
किन्ना॥ हविर्कृतिड्डुममन्त्रजंगमश्रुमन्त्रः
स्विगुदहा॥ हिवाह्या॥ अक्षकनात्तनासः
महाकात्रिहृदयना॥ अक्षकनात्तनासः